NEWS CLIPPING: 12.12.2020

PUNJAB KESARI

जे.सी. बोस वि.वि. में लगेगा सौर ऊर्जा संयंत्र, सालाना होगी 20 लाख की बचत

फरीदाबाद, 11 दिसम्बर (महावीर गोयल): जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद का परिसर जल्द ही सौर ऊर्जा पर चलेगा। विश्वविद्यालय ने ऊर्जा के पारंपरिक स्रोत से स्वच्छ ऊर्जा की ओर एक बड़ा कदम उठाते हुए आज अपने परिसर में ग्रिड कनेक्टेड रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के लिए एक सोलर एनर्जी कंपनी के साथ समझौते किया है, जिसके अनुसार विश्वविद्यालय परिसर अप्रैल 2021 के बाद पूरी तरह से सौर ऊर्जा पर संचालित होगा।

कुलसचिव प्रो. दिनेश कुमार की उपस्थिति में कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग द्वारा ज्योतिकिरण एनर्जी मुंबई प्राइवेट लिमिटेड जोकि सनसोर्स एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा की एक विशेष प्रयोजन माध्यम संस्था है, के साथ समझौता किया गया। समझौते के अंतर्गत कंपनी द्वारा हरियाणा सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग, हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (हरेडा) के सहयोग से विश्वविद्यालय में 266 किलोवाट क्षमता के ग्रिड कनेक्टेड रूफटॉप एसपीवी पावर प्लांट लगाया जायेगा।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार की उपस्थिति में सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना को लेकर समझौता हस्तांतरित करते हुए कुलसचिव डॉ. एस. के. गर्ग (छाया: एस शर्मा)

> इस समझौते के तहत कंपनी टर्नकी आधार पर 266 किलोवाट के रूफटॉप सोलर प्लांट को शुरू करेगी और अगले 25 वर्षों तक अक्षय ऊर्जा सेवा कंपनी (रेसको) के मॉडल पर इसका संचालन और रखरखाव करेगी। इसके लिए विश्वविद्यालय की कोई लागत नहीं आयेगी। अक्षय ऊर्जा सेवा कंपनी (रेसको) के मॉडल के तहत संयंत्र से उत्पन्न होने वाली बिजली की आपूर्ति विश्वविद्यालय को अगले 25 वर्षों तक 3.30 रुपये प्रति यूनिट की लागत से होगी।
> - सोमबीर सिंह, परियोजना अधिकारी, हरेडा

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए पूरी तरह से निःशुल्क होगा क्योंकि इस सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना, संचालन और रखरखाव की लागत कंपनी द्वारा वहन की जाएगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य ग्रीन कैंपस पहल को बढ़ावा देना है।उन्होंने कहा कि प्रस्तावित सोलर प्लांट से बिजली उत्पादन न केवल विश्वविद्यालय के बिजली बिलों को कम करेगा, बल्कि विश्वविद्यालय के 'स्वच्छ ऊर्जा मिशन' को भी पूरा करेगा और साथ ही उनके कार्बन उत्सर्जन भी कम होगा। इस अवसर पर निदेशक इंडस्ट्री रिलेशन्स डॉ. रश्मि पोपली, एसडीई अनिल कुमार शर्मा, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग से परियोजना अधिकारी विरेंद्र सिंह और सहायक परियोजना अधिकारी रविकांत और सनस्रोत एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा से अमित राज और सुश्री पद्मजा बापतला भी उपस्थित थीं।कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग ने कहा कि कंपनी ने विश्वविद्यालय परिसर में मुख्य रूप से प्रशासनिक ब्लॉक, शैक्षणिक ब्लॉक और शकुंतलम सभागार जैसी प्रमुख इमारतों पर सौर पैनल स्थापित करने के लिए जगह की पहचान की है, जहां एक बिजली की आपूर्ति की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। इस समझौते के अनुसार सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना का कार्य मार्च, 2021 के अंत तक पूरा हो जाएगा और अप्रैल 2021 से इसका उपयोग किया जा सकेगा। विश्वविद्यालय को सौर ऊर्जा टैरिफ दरों पर मिलेगी, जोकि ग्रिड टैरिफ से सस्ती होगी। सौर ऊर्जा का विकल्प चुनने पर सालाना कम से कम 20 लाख रुपये की बचत होगी।

पंजाब केसरी ई-पेपर Sat,12 December 2020
Edition: faridabad kesari, Page no. 1

NEWS CLIPPING: 12.12.2020

PUNJAB KESARI

'स्वच्छ ऊर्जा मिशन' विश्वविद्यालय ने ग्रिड कनेक्टेड रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के लिए किया समझौता

विवि में लगेगा 266 किलोवाट क्षमता का संयंत्र, सालाना होगी 20 लाख की बचत

फरीदाबाद, राकेश देव (पंजाब केसरी): जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद का परिसर जल्द ही सौर ऊर्जा पर चलेगा। विश्वविद्यालय ने ऊर्जा के पारंपरिक स्रोत से स्वच्छ ऊर्जा की ओर एक बड़ा कदम उठाते हुए आज अपने परिसर में ग्रिड कनेक्टेड रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के लिए एक सोलर एनर्जी कंपनी के साथ समझौते किया है, जिसके अनुसार विश्वविद्यालय परिसर अप्रैल 2021 के बाद पूरी तरह से सौर ऊर्जा पर संचालित होगा।

कुलसचिव प्रो. दिनेश कुमार की उपस्थिति में कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग द्वारा ज्योतिकिरण एनर्जी मुंबई प्राइवेट लिमिटेड जोकि सनसोर्स एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा की एक विशेष प्रयोजन माध्यम संस्था है, के साथ समझौता किया गया। समझौते के अंतर्गत कंपनी द्वारा हरियाणा सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग, हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (हरेडा) के सहयोग से विश्वविद्यालय में 266 किलोवाट क्षमता के ग्रिड कनेक्टेड रूफटॉप एसपीवी पावर प्लांट लगाया जायेगा। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए पूरी तरह से नि:शुल्क होगा क्योंकि इस सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना, संचालन और रखरखाव की लागत कंपनी द्वारा वहन की जाएगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य ग्रीन कैंपस पहल को बढ़ावा देना है। इसी के दृष्टिगत सौर ऊर्जा के माध्यम से बिजली की मांग को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा कई भवनों की छतों पर खाली जगहों का उपयोग सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए करने की इच्छा व्यक्त की गई थी और प्रस्ताव दिया गया था। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित सोलर प्लांट से बिजली उत्पादन न केवल विश्वविद्यालय के बिजली बिलों को कम करेगा, बल्कि विश्वविद्यालय के 'स्वच्छ ऊर्जा मिशन' को भी पूरा करेगा और साथ ही उनके कार्बन उत्सर्जन भी कम होगा। उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय को हाल ही में अपने भवन में ऊर्जा संरक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए राज्य स्तरीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है। कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग ने कहा कि कंपनी ने विश्वविद्यालय परिसर में मुख्य रूप से प्रशासनिक ब्लॉक, शैक्षणिक ब्लॉक और शकुंतलम सभागार जैसी प्रमुख इमारतों पर सौर पैनल स्थापित करने के लिए जगह की पहचान की है, जहां एक बिजली की आपूर्ति की सबसे अधिक आवश्यकता होती है।

- विश्वविद्यालय को 25 वर्षों तक मिलेगी रियायती दरों पर बिजली, 'स्वच्छ ऊर्जा मिशन' होगा पूरा
- विवि को ग्रीन कैंपस के रूप में विकसित करना है लक्ष्यः प्रो. दिनेश

इस समझौते के अनुसार सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना का कार्य मार्च, 2021 के अंत तक पूरा हो जाएगा और अप्रैल 2021 से इसका उपयोग किया जा सकेगा। विश्वविद्यालय को सौर ऊर्जा टैरिफ दरों पर मिलेगी, जोकि ग्रिड टैरिफ से सस्ती होगी। सौर ऊर्जा का विकल्प चुनने पर विश्वविद्यालय की सालाना कम से कम 20 लाख रुपये की बचत होगी। इस समय विश्वविद्यालय का मासिक बिजली बिल प्रतिमाह औसतन 8 लाख रुपये आता है। हरेडा के परियोजना अधिकारी श्री सोमबीर सिंह ने बताया कि इस समझौते के तहत कंपनी टर्नकी आधार पर 266 किलोवाट के रूटॉप सोलर प्लांट को शुरू करेगी और अगले 25 वर्षों तक अक्षय ऊर्जा सेवा कंपनी (रेसको) के मॉडल पर इसका संचालन और रखरखाव करेगी।

पंजाब केसरी Sat, 12 December 2020
mpaper.punjabkesari.com/c/56974089

NEWS CLIPPING: 12.12.2020

IHNDUSTAN

विश्वविद्यालय ने ग्रिड कनेक्टेड रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के लिए किया समझौता, योजना के तहत 266 किलोवाट क्षमता का संयंत्र लगाया जाएगा

वाईएमसीए विश्वविद्यालय का परिसर नए साल में पूरी तरह सौर ऊर्जा से लैस होगा

अच्छी खबर

फरीदाबाद| कार्यालय संवाददाता

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए का परिसर जल्द ही पूरी तरह सौर ऊर्जा पर चलेगा। विश्वविद्यालय ने ऊर्जा के पारंपरिक स्रोत से स्वच्छ ऊर्जा की ओर एक बड़ा कदम उठाते हुए शुक्रवार को परिसर में ग्रिड कनेक्टेड रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के लिए एक सोलर एनर्जी कंपनी के साथ समझौता किया है। इस समझौते के मुताबिक विश्वविद्यालय परिसर अप्रैल 2021 तक पूरी तरह से सौर ऊर्जा पर संचालित होगा। कुलसचिव प्रो. दिनेश कुमार की उपस्थिति में कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग ने ज्योतिकिरण एनर्जी मुंबई प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए।

गौरतलब है कि ज्योतिकिरण एनर्जी मुंबई प्राइवेट लिमिटेड, सनसोर्स एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा की एक विशेष प्रयोजन माध्यम संस्था है। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि समझौते के तहत कंपनी की ओर से हरियाणा सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग, हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (हरेडा) के सहयोग से विश्वविद्यालय में 266 किलोवाट क्षमता के ग्रिड कनेक्टेड रूफटॉप एसपीवी पावर प्लांट लगाया जाएगा। ये विश्वविद्यालय के लिए पूरी तरह से निशुल्क होगा क्योंकि इस सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना, संचालन और रखरखाव की लागत कंपनी ही वहन करेगी।

ग्रीन कैंपस को बढ़ावा देना मकसद : कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य ग्रीन कैंपस पहल को बढ़ावा देना है। इसी के चलते सौर ऊर्जा के माध्यम से बिजली की मांग को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय की कई भवनों की छतों पर खाली जगहों का उपयोग सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए करने की इच्छा जताते हुए प्रस्ताव दिया गया था। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित सोलर प्लांट से बिजली उत्पादन न केवल विश्वविद्यालय के बिजली बिलों को कम करेगा, बल्कि विश्वविद्यालय के 'स्वच्छ ऊर्जा मिशन' को भी पूरा करेगा और साथ ही उनके कार्बन उत्सर्जन भी कम होगा। हाल ही में अपने भवन में ऊर्जा संरक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए राज्य स्तरीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार में विश्वविद्यालय को प्रथम पुरस्कार भी प्राप्त हुआ है।

मार्च 2020 तक होगा योजना का काम पूरा

कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग ने कहा कि कंपनी ने विश्वविद्यालय परिसर में मुख्य रूप से प्रशासनिक ब्लॉक, शैक्षणिक ब्लॉक और शकुंतलम सभागार जैसी प्रमुख इमारतों पर सौर पैनल स्थापित करने के लिए जगह चुनी है। इन सभी जगहों पर बिजली की आपूर्ति की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। इस समझौते के अनुसार सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना का काम मार्च, 2021 के अंत तक पूरा हो जाएगा और अप्रैल 2021 से इसका उपयोग किया जा सकेगा। विश्वविद्यालय को सौर ऊर्जा टैरिफ दरों पर मिलेगी, जोकि ग्रिड टैरिफ से सस्ती होगी। सौर ऊर्जा का विकल्प चुनने पर विश्वविद्यालय की सालाना कम से कम 20 लाख रुपये की बचत होगी। इस समय विश्वविद्यालय का मासिक बिजली बिल प्रतिमाह औसतन आठ लाख रुपये आता है।

25 सालों तक मिलेगी विवि को कम दरों पर बिजली

हरेडा के परियोजना अधिकारी सोमबीर सिंह ने बताया कि इस समझौते के तहत कंपनी टर्नकी आधार पर 266 किलोवाट के रूटॉप सोलर प्लांट को शुरू करेगी और अगले 25 वर्षों तक अक्षय ऊर्जा सेवा कंपनी (रेसको) के मॉडल पर इसका संचालन और रखरखाव करेगी। इसके लिए विश्वविद्यालय की कोई लागत नहीं आएगी। अक्षय ऊर्जा सेवा कंपनी (रेसको) के मॉडल के तहत संयंत्र से उत्पन्न होने वाली बिजली की आपूर्ति विश्वविद्यालय को अगले 25 वर्षों तक 3.30 रुपये प्रति यूनिट की लागत से होगी। मौके पर निदेशक इंडस्ट्री रिलेशन्स डॉ. वीरेंद्र पोपली, एसडीई अनिल कुमार शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

NEWS CLIPPING: 12.12.2020

THE PIONEER

जेसी बोस विश्वविद्यालय अगले साल सौर बिजली से जगमग होगा

विश्वविद्यालय परिसर अप्रैल 2021 के बाद पूरी तरह से सौर ऊर्जा पर संचालित होगा

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

फरीदाबाद के जेसीबोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का परिसर जल्द ही पूरी तरह सौर ऊर्जा पर चलेगा। विश्वविद्यालय ने ऊर्जा के पारंपरिक स्रोत से स्वच्छ ऊर्जा की ओर एक बड़ा कदम उठाते हुए गुरुवार को अपने परिसर में ग्रिड कनेक्टेड रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के लिए एक सोलर एनर्जी कंपनी के साथ समझौता किया है। विश्वविद्यालय परिसर अप्रैल 2021 के बाद पूरी तरह से सौर ऊर्जा पर संचालित होगा।

विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि कुलपति प्रो. दिनेश कुमार की उपस्थिति में कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग द्वारा ज्योतिकिरण एनर्जी मुंबई प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझोता किया। ज्योति किरन एनर्जी सनसोर्स एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा की एक विशेष प्रयोजन माध्यम संस्था है। समझौते के अंतर्गत कंपनी द्वारा हरियाणा सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग, हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (हरेडा) के सहयोग से विश्वविद्यालय में 266 किलोवाट क्षमता के ग्रिड कनेक्टेड रूफटॉप एसपीवी पावर प्लांट लगाया जायेगा।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए पूरी तरह से नि:शुल्क होगा क्योंकि इस सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना, संचालन और रखरखाव की लागत कंपनी द्वारा वहन की जाएगी। उन्होंने कहा कि कंपनी ने विश्वविद्यालय परिसर में मुख्य रूप से प्रशासनिक ब्लॉक, शैक्षणिक ब्लॉक और शकुंतलम सभागार जैसी प्रमुख इमारतों पर सौर पैनल स्थापित करने के लिए जगह की पहचान की है, जहां बिजली की आपूर्ति की सबसे अधिक आवश्यकता होती है।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य ग्रीन कैंपस पहल को बढ़ावा देना है। इसी के मद्देनजर सौर ऊर्जा के माध्यम से बिजली की मांग को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा कई भवनों की छतों पर खाली जगहों का उपयोग सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए करने की इच्छा व्यक्त की गई थी और प्रस्ताव दिया गया था। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित सोलर प्लांट से बिजली उत्पादन न केवल विश्वविद्यालय के बिजली बिलों को कम करेगा, बल्कि विश्वविद्यालय के 'स्वच्छ ऊर्जा मिशन' को भी पूरा करेगा और साथ ही कार्बन उत्सर्जन भी कम होगा।

NEWS CLIPPING: 12.12.2020

AMAR UJALA

सौर ऊर्जा से संचालित होगा जेसी बोस विश्वविद्यालय

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए का परिसर जल्द ही पूरी तरह सौर ऊर्जा युक्त हो जाएगा। विश्वविद्यालय ने ऊर्जा के पारंपरिक स्रोत से स्वच्छ ऊर्जा की ओर एक बड़ा कदम उठाते हुए शुक्रवार को अपने परिसर में ग्रिड कनेक्टेड रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के लिए एक सोलर एनर्जी कंपनी के साथ समझौता किया। इसके अनुसार विश्वविद्यालय परिसर अप्रैल 2021 के बाद पूरी तरह से सौर ऊर्जा पर संचालित होगा। विश्वविद्यालय परिसर में 266 किलोवाट क्षमता का संयंत्र लगाए जाने के बाद इससे करीब 20 लाख रुपये सालाना बचत होगी। कुलसचिव प्रो. दिनेश कुमार की उपस्थिति में कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग द्वारा ज्योतिकिरण एनर्जी मुंबई प्राइवेट लिमिटेड जोकि सनसोर्स एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा की एक विशेष प्रयोजन माध्यम संस्था है, के साथ समझौता किया। ब्यूरो